अयोध्या में नौ सेक्टरों में करीब 12 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

सुधीर कुमार सिंह

लखनऊ। राज्य सरकार अयोध्या को सिर्फ एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि रोजगार हब के रूप में विकसित करेगी। यहां लगभग 12 लाख लोगों को रोजगार देने की व्यवस्था होगी। इसके लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण ने विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है, इसमें 4 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और 8 लाख लोगों को परोक्ष रूप से नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए नौ सेक्टर चिह्नित किए गए हैं।

गौरतलब है कि प्रमुख सचिव आवास विभाग दीपक कुमार ने इस विजन डॉक्यूमेंट को हाल ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने पेश किया था। इसमें अयोध्या को आधुनिक तरीके से विकास करने के साथ ही लोगों को रोजगार दिए जाने का खाका तैयार कर दिखाया गया था। वहीं, सरकार की भी मंशा है कि अयोध्या में

आवास विभाग ने तैयार किया है खाका, उद्योग, पर्यटन समेत कुल नौ सेक्टर में मिलेगी नौकरी

भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ ही शहर को भी नए सिरे से बसाया जाए। यहां आने वाले लोगों को रोजगार के भी अवसर मिले। इसी आधार पर आवास विभाग प्रस्ताव तैयार करा रहा है। जल्द ही प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर मुख्यमंत्री के समक्ष एक बार फिर रखा जाएगा। वहीं, विभाग के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव के मुताबिक जमीन जुटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इन नौ सेक्टर में मिलेंगी नौकरियां : अयोध्या में रोजगार मुहैया कराने के लिए नौ सेक्टर चिह्नित किए हैं। इनमें अध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, ज्ञान एवं नवाचार, एमएसएमई, स्वास्थ्य पर्यटन, व्यापार पर्यटन, ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक, वाणिज्यिक गतिविधियां और वेलनेस पर्यटन को शामिल किया गया है। इसके अलावा आवासीय, व्यावसायिक व होटल व्यवसाय को भी बढ़ावा दिए जाने का खाका तैयार किया गया है।

रोजगार हब के रूप में विकसित होगी रामनगरी

रोजगार से हैं सीमित साधन : वर्तमान में अयोध्या और आसपास के लोगों को रोजगार के लिए सीमित साधन उपलब्ध हैं। राम मंदिर के गर्भगृह का दर्शन के लिए आने वाले लोगों के अलावा खुदरा व्यापार और सरकारी नौकरियां ही रोजगार के मुख्य साधन हैं। यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। अब जब राम मंदिर के निर्माण के साथ ही ओध्या को विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित करने का खाका तैयार किया गया है तो इससे लोगों के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे। उद्योग से लेकर होटल, अस्पताल आदि की सुविधाएं बढ़ेंगी तो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेंगे।